समष्टि अर्थशास्त्र

लघु उत्तरीय प्रश्न

TOP 30

MOST IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWER

1. साख नियंत्रण के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

साख नियंत्रण के प्रमुख उद्देश्य होते हैं:-

- आंतरिक कीमत स्तर में स्थिरता स्थापित करना।
- आर्थिक नियोजन को सफल बनाना।
- विदेशी विनिमय दरों में स्थिरता स्थापित करना।

2. अतिरिक्त मांग का कीमत स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

एक अर्थव्यवस्था में अधिक माँग की स्थिति में अर्थव्यवस्था में वस्तुओं की कीमत स्तर में वृद्धि होती है। क्योंकि अर्थव्यवस्था में वस्तुओं की पूर्ति की अपेक्षा उसकी मांग अधिक होती है, जिसका कारण से कीमत में वृद्धि हो जाती है।

3.सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति में क्या सम्बन्ध है ?

उत्तर:- सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का योग सदैव इकाई के बराबर होता है अर्थात MPC + MPS = 1 । इसका कारण यह है कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) आय में वृद्धि और उपयोग में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है, जबकि सीमांत बचत प्रवृत्ति आय में वृद्धि और बचत में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है ।

4. 'अवस्फीतिक अंतराल' क्या है ?

उत्तर:- अवस्फीतिक अंतराल - किसी अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार संतुलन की स्थिति को बनाए रखने के लिए जितनी कुल माँग की आवश्यकता पड़ती है यदि कुल माँग उससे अधिक हो तो इनके अंतर को स्फीतिक अंतराल कहा जाता है। स्फीति अंतराल माँग के आधिक्य के कारण उत्पन्न होता है।

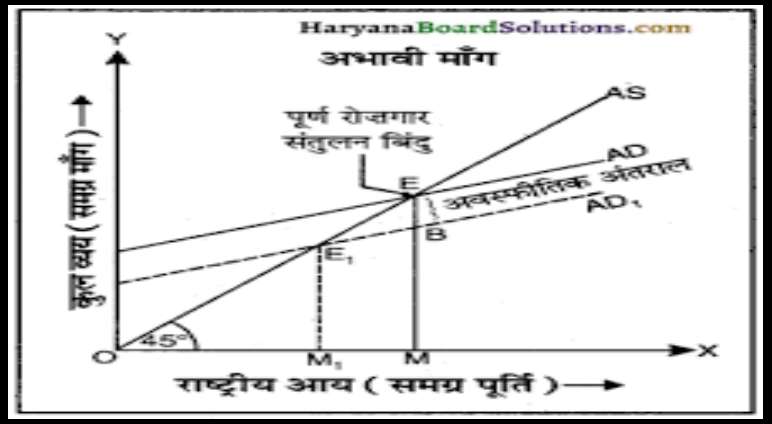

5. 'मुद्रा पूर्ति' क्या है? इसके विभिन्न घटकों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर:- मुद्रा पूर्ति:- मुद्रा पूर्ति से तात्पर्य किसी समय विशेष पर एक देश में प्रचलित वैधानिक मुद्रा की कुल मात्रा से है। वैधानिक मुद्रा में देश में चलन में आये नोट व सिक्के शामिल है ।

मुद्रा पूर्ति के विभिन्न घटक:-

M1 मुद्रा माप - जनता के पास करेंसी + बैंकों के पास मांग जमा + अन्य जमायें

M2 मुद्रा माप - M1 + डाक खानों की बचत जमा

M3 मुद्रा माप - M1 + बैंकों की सावधि जमा

M4 मुद्रा माप - M3 + कुल डाकघरों की जमा NSC को छोड़कर

6. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के बीच क्या अंतर है?

उत्तर:- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के बीच अंतर:-

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
ये कर जिस व्यक्ति पर लगायें जाते है, वह व्यक्ति ही इन करों का भुगतान करता है। इन करों को ताला नही जा सकता है ।	जिस व्यक्ति को यह कर चुकाना होता है वह इसे किसी दुसरे व्यक्ति पर डाल सकता है।
यह प्रगतिशील कर होते है	यह प्रगतिशील कर नहीं होते है
यह अनुवार्य भुगतान है	इन करों से बचा जा सकता है
जैसे - आयकर , सम्पत्ति कर आदि	जैसे - GST, सीमा शुल्क आदि

7. राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय में भेद कीजिये ।

उत्तर:- राजस्व व्यय और पूँजीगत व्यय में भेद :

राजस्व व्यय :	पूँजीगत व्यय :
(1) राजस्व व्यय से सरकार को आय प्राप्त नहीं होती है।	(1) पूँजीगत व्यय से सरकार को आय प्राप्त होती है।
(2) राजस्व व्यय अधिक मात्रा में नहीं किये जा सकते।	(2) पूँजीगत व्यय अधिक मात्रा में किये जा सकते हैं।
(3) राजस्व व्यय में निर्माण कार्य नहीं किया जाता है।	(3) पूँजीगत व्यय में निर्माण कार्य सरकार द्वारा किया जाता है।

8. केंद्रीय बैंक के किन्ही तीन कार्य की व्याख्या कीजिये ।

उत्तर:- केंद्रीय बैंक के कार्य

1) नोट जारी करना: - केन्द्रीय बैंक देश में मुद्रा जारी करने का एकाधिकारी होता है क्योंकि मुद्रा का निर्गमन (Issue) केन्द्रीय बैंक की जिम्मेदारी होती है, इसलिए केन्द्रीय बैंक को समस्त जारी की गई मुद्रा के मान के बराबर संपत्तियो का सुरक्षित भंडार रखने का दायित्व भी होता है।

2) सरकार का बेंकर: - "सरकार का बैंकर" का अर्थ यह है कि केन्द्रीय बैंक सरकार को वही बैंकिंग सेवाएं व्यावसायिक बैंक आम जनता को देते है। यह सरकार की जमाएं स्वीकार करता है और सरकार को ऋण भी देता है।

3) बैंकों का बैंक: - यह देश के अन्य व्यावसायिक बैंकों के लिए बैंकर का कार्य करता है अर्थात अन्य बैंकों के साथ केन्द्रीय बैंक का संबंध वैसा ही होता है जैसा की एक व्यक्ति का व्यावसायिक बैंक के साथ होता है।

9. अनैच्छिक बेरोजगारी से आप क्या समझते है ? इसके विभिन्न कारण लिखिए ।

उत्तर:- **अनैच्छिक बेरोजगारी -** जब लोग मजदूरी की प्रचलित दरों पर भी काम करने के लिए तैयार हो और उन्हे काम नही मिले तो उसे अनैच्छिक बेरोजगारी कहते है।

भारत में अनैच्छिक बेरोजगारी के निम्न प्रमुख कारण हैं –

i). मंद विकास गति

ii). उच्च जनसंख्या वृद्धि दर

iii). श्रम प्रधान तकनीक की तुलना में पूंजी प्रधान तकनीक को बढ़ावा

iv). प्राकृतिक संसाधनों असमान वितरण

10. घाटे का बजट क्या है ? इसके गुण दोष लिखिए ।

उत्तर:- घाटे का बजट वह व्यवस्था है। जिसमें सरकार अपनी आय की तुलना में व्यय अधिक करती है। सरकार इस घाटे की पूर्ति ऋण लेकर या रिज़र्व बैंक में जमा किये हुए अपने नकद कोषों में कमी करके करती है। अथवा पुनः नये नोट छापकर करती है। जिसके परिणामस्वरूप मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि संभव हो पाती है। जिसे घाटे की वित्त व्यवस्था कहा जाता है।

11. राष्ट्रीय आय में दोहरी गणना से क्या आशय है ?

उत्तर:- राष्ट्रीय आय के आकलन में किसी वस्तु या सेवा का मूल्य एक से अधिक बार शामिल करना दोहरी गणना कहलाता है ।

उदाहरण के लिए डबलरोटी एक अंतिम वस्तु है जिसे मैदे से बनाया जाता है उसमे मैदे का मूल्य जुदा रहता है, मैदा गेंहू से और मैदे में गेंहू का मूल्य जुदा रहता है यदि अब डबल रोटी , मैदे और गेंहू तीनो के मूल्य को राष्ट्रीय आय में शामिल करते है तो इसे दोहरी गणना कहेंगे ।

12. उपभोग प्रवृत्ति क्या है ? सीमांत उपभोग प्रवृत्ति को स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- **उपभोग प्रवृत्ति -** आय तथा उपभोग के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को उपभोग प्रवृत्ति कहते है।

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) - आय में होने पावे परिवर्तन तथा उपभोग में होने वाले परिवर्तन के बीच के संबंध को सीमांत उपभोग प्रवृत्ति कहते है ।

$$MPC = \Delta C / \Delta Y$$

13. केंद्रीय बैंक एवं व्यावसायिक बैंक में दो अंतर लिखिए ।

उत्तर:-

1. केंद्रीय बैंक देश का सर्वोच्च बैंक होता है जो सम्पूर्ण बैंकिंग प्रणाली को नियमित करता है जबकि व्यापारिक बैंक बैंकिंग प्रणाली का एक अंग होता है जो केंद्रीय बैंक के अंतर्गत कार्य करती है ।
2. केंद्रीय बैंक देश में नोटों को जरी करने का कार्य करता है जबकि व्यापारिक बैंक नोटों को जारी नहीं कर सकती है ।

14. विनिमय दरों को प्रभावित करने वाले दो तत्वों का उल्लेख कीजिये ।

उत्तर:- विनिमय दरों को प्रभावित करने वाले तत्व-

(1) क़ीमतों में परिवर्तन-

सामान्यतः यह देखा जाता है कि किसी एक देश की सापेक्षिक दृष्टि से क़ीमत में परिवर्तन हो जाने से विनिमय दर भी परिवर्तित हो जाती है।

2) आयात और निर्यात में परिवर्तन-

यदि किसी देश के निर्यात उसके आयातों से अधिक हैं देश की मुद्रा की माँग बढ़ने लगेगी। फलतः विदेशी विनिमय दर देश के हित में परिवर्तित होगी। इसके विपरीत यदि किसी देश के आयात, उसके निर्यात से अधिक हैं तो विदेशी मुद्रा की माँग बढ़ेगी तथा विनिमय दर में परिवर्तन देश के विपक्ष में होगा।

15. व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर बताइए ।

उत्तर:- व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर-

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था की व्यक्तिगत समस्याओं का अध्ययन किया जाता है ।	अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था की सामूहिक/ सम्पूर्ण समस्याओं का अध्ययन किया जाता है ।
इसके अंतर्गत सूक्ष्मतम चरों का अध्ययन होता है ।	इके अंतर्गत वृहद् चरों का अध्ययन होता है ।
यह कीमत निर्धारण की अवधारणा है ।	यह सामान्य कीमत स्तर की अवधारणा है ।
मांग और पूर्ति इसकी प्रमुख उपकरण है	कुल मांग और कुल पूर्ति इसकी उपकरण है ।

16. मुद्रा के प्रमुख दोषों को बताइए ।

उत्तर: मुद्रा के प्रमुख दोष निम्नलिखित है :

1. मुद्रा से समाज में उधार लेने की प्रवृत्ति बढती है ।
2. उद्योगपतियों में अति उत्पादन और अति पुन्जियन की भावना बढती है जिससे अर्थव्यवस्था की स्थिरता अस्त व्यस्त हो जाती है ।
3. मुद्रा की विनिमय शक्ति में परिवर्तन होने से समाज की आर्थिक संतुलन भी परिवर्तित होती है ।
4. संपत्ति के वितरण में असामनता आती है जिससे समाज में आमिर और गरीब के बीच दुरी बढती है ।
5. समाज का नैतिक पतन होता है और चोरी, डकैती, भ्रस्टाचार की प्रवृति का जन्म होता है ।

17. व्यापर संतुलन और भुगतान संतुलन को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर:- **व्यापर संतुलन :** एक देश के दुसरे देश के साथ दृश्य वस्तुओं के आयात और निर्यात के अंतर को व्यापर संतुलन कहते है । इसके अंतर्गत केवल वस्तुओं को ही शामिल किया जाता है । जिस कारण व्यापर शेष धनात्मक या ऋणात्मक हो सकता है ।

भुगतान संतुलन: एक देश का विदेशों के साथ किये गए सभी प्रकार के लें देंन जो की एक वित्तीय वर्ष में होता है, उनका लेखा जोखा भुगतान संतुलन कहा जाता है । इसके अंतर्गत दृश्य और अदृश्य वस्तुओं तथा एक पक्षीय अंतरण जैसे सभी प्रकार सरकारी या गैरसरकारी लेंनदेनों को शामिल किया जाता है

18. व्यय योग्य आय और वैयक्तिक आय के बीच भेद कीजिये ।

उत्तर:-

वैयक्तिक आय	व्यय योग्य आय
एक वर्ष की अवधि में एक देश के सभी व्यक्ति एवं परिवार जितनी आय वास्तव में प्राप्त करते है, उन सभी आय के योग को वैयक्तिक आय कहते है।	वैयक्तिक आय में से सरकार द्वारा लगाये गए सभी वैयक्तिक करों को निकल देने पर जो शेष बचता है वह व्यय योग्य आय कहलाती है ।
वैयक्तिक आय के अंतर्गत मजदूरी, वेतन, व्याज, लगान तथा लाभांश को सम्मिलित किया जाता है ।	इसके गणना वैयक्तिगत आय में से की जाती है।
वैयक्तिक आय = राष्ट्रीय आय - सामाजिक सुरक्षा में कटौती - निगम कर - अवितरित लाभ + हस्तांतरित भुगतान	व्यय योग्य आय = वैयक्तिक आय - व्यक्ति

19. आय के चक्रीय प्रवाह का अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों के मध्य आय अथवा वस्तुओं एवं सेवाओं के आदान- प्रदान को चक्रीय प्रवाह कहा जाता है । दुसरे शब्दों में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रकों में उत्पादन, आय एवं व्यय के प्रवाह को चक्रीय से संबंधित तीन पहलु उत्पादन, आय एवं व्यय है ।

20. मुद्रा की चलन गति से क्या आशय है ?

उत्तर:- मुद्रा की चलन गति से अभिप्राय यह है कि मुद्रा की एक इकाई द्वारा एक वर्ष में कितनी बार वस्तुंए तथा सेवायें खरीदी जाती है। मुद्रा द्वारा हम विभिन्न आवष्यकताओं की पूर्ति करते हैं इसलिए मुद्रा की मांग करते है। फिशर के विनिमय समीकरण में मुद्रा की मांग में व्यापारिक सौदे तथा कीमत स्तर को शामिल करते है।

21. व्यय योग्य आय और वैयक्तिक आय के बीच भेद कीजिये ।

उत्तर:-

वैयक्तिक आय	व्यय योग्य आय
एक वर्ष की अवधि में एक देश के सभी व्यक्ति एवं परिवार जितनी आय वास्तव में प्राप्त करते है, उन सभी आय के योग को वैयक्तिक आय कहते है।	वैयक्तिक आय में से सरकार द्वारा लगाये गए सभी वैयक्तिक करों को निकल देने पर जो शेष बचता है वह व्यय योग्य आय कहलाती है ।
वैयक्तिक आय के अंतर्गत मजदूरी, वेतन, व्याज, लगान तथा लाभांश को सम्मिलित किया जाता है ।	इसके गणना वैयक्तिगत आय में से की जाती है।
वैयक्तिक आय = राष्ट्रीय आय - सामाजिक सुरक्षा में कटौती - निगम कर - अवितरित लाभ + हस्तांतरित भुगतान	व्यय योग्य आय = वैयक्तिक आय - व्यक्तिगत आय कर

22. न्यूनतम समर्थन मूल्य क्या है?

उत्तर: न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) वह दर है जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदती है और यह किसानों की उत्पादन लागत के कम-से-कम डेढ़ गुना अधिक होती है। 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' किसी भी फसल के लिये वह 'न्यूनतम मूल्य' है, जिसे सरकार किसानों के लिये लाभकारी मानती है और इसलिये इसके माध्यम से किसानों का 'समर्थन' करती है।

23. वाणिज्यिक बैंक से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:

बैंक वह संस्था है जो मुद्रा में व्यवसाय करती है। यह एक ऐसा प्रतिष्ठान है जहाँ धन का जमा, संरक्षण तथा निर्गमन होता है तथा ऋण एवं कटौती की सुविधाएं प्रदान की जाती है और एक दूसरे स्थान पर रकम भेजने की व्यवस्था की जाती है।

जैसे: भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक आदि।

24. बचत को निर्धारित करने वाले तत्वों के नाम पर लिखिए।

उत्तर: बचत को निर्धारित करने वाले तत्व निम्नलिखित हैं

1- **बचत करने की योग्यता:** - व्यय से अधिक आय होने पर बचत होती है, इसलिए आय व्यय से अधिक होना अनिवार्य है l आय बढ़ने से एवं आवश्यक सामानों के दामों पर नियंत्रण रहने से लोगों में स्वतः बचत करने की रुचि जागृत होती हैl

2- **बचत करने की इच्छा: -** इच्छा से ही किसी कार्य को करने की प्रेरणा मिलती हैl धन व्यय करने में इक्छाओ का प्रमुख हाथ रहता है l बजत करने की इच्छा रहने पर ही मनुष्य बचत करता हैl

3- **बचत करने की पर्याप्त सुविधाएं:** - देश में शांति एवं सुरक्षा विनियोग के साधन प्राकृतिक स्थिति आदि बचत की सुविधाओं के अंतर्गत आती है

25. भारत की वर्तमान मुद्रा प्रणाली के किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन करें।

उत्तर: भारत की वर्तमान मुद्रा प्रणाली की विशेषताएं:

i. भारत की राष्ट्रीय मुद्रा है। इसका बाज़ार नियामक और जारीकर्ता भारतीय रिज़र्व बैंक है।

ii. भारतीय करेंसी को भारतीय रुपया (INR) तथा सिक्कों को "पैसे" कहा जाता है। एक रुपया 100 पैसे का होता है ।

iii. भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम,1934 की धारा 26 के अनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकनोट का मूल्य अदा करने के लिए जिम्मेदार है । भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, मांग पर यह अदायगी बैंक नोट जारीकर्ता होने के नाते है।

26. वस्तु विनिमय प्रणाली के तीन दोषों का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

1. दोहरे संयोग का अभाव - इस प्रणाली के अन्तर्गत मनुष्य को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ऐसे व्यक्ति की खोज में भटकना पड़ता है जिसके पास उसकी आवश्यकता की वस्तु हो और वह व्यक्ति अपनी वस्तु देने के लिए तत्पर हो तथा वह बदले में स्वयं की उस मनुष्य की वस्तु लेने के लिए तत्पर हो।

2. मूल्य के सर्वमान्य माप का अभाव - इस प्रणाली में मूल्य का कोई ऐसा सर्वमान्य माप नहीं होता जिसके द्वारा प्रत्येक वस्तु के मूल्य को विभिन्न वस्तुओं के सापेक्ष निश्चित किया जा सके। इस स्थिति में दो वस्तुओं के बीच विनिमय दर निर्धारित करना कठिन होता है।

3.मूल्य संचय की असुविधा - वस्तु विनिमय प्रणाली में वस्तुओं को अधिक समय तक संचित करके नहीं रखा जा सकता, क्योंकि वस्तुएँ नाशवान् होती हैं।

27. प्राथमिक जमा एवं व्युत्पन जमा में क्या संबंध है?

उत्तर:

प्राथमिक जमा का अर्थ उन जमा राशियों से है जो नकदी अथवा वास्तविक मुद्रा के रूप में जमाकर्ताओं द्वारा बैंक में जमा की जाती है। जबकि कोई बैंक किसी को ऋण अथवा अग्रिम देता है तो ऋण अथवा विनियोग की रकम नकद साख खाते में लिख दी जाती है इसे **व्युत्पन जमा** कहते हैं।

व्युत्पन जमा प्रारंभिक जमा का ही परिणाम होती है। नकद जमा के आधार पर ही साख जमा का अधिकार निर्धारित होता है और प्रारंभिक जमा के आधार पर ही अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति की वृद्धि होती है।

28. उपभोग फलन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कीन्स के विचार में किसी अर्थव्यवस्था का कुल उपभोग व्यय मुख्य रूप से आय पर निर्भर करता है तत्वा ये कहा जा सकता है कि उपभोग आय का फलन हैं।

इस प्रकार उपभोग एवं आय का संबंध उपभोग फलन कहलाता है।

उपभोग फलन बताता है कि आय के स्तर में वृद्धि होने पर उपभोग में प्रत्यक्ष वृद्धि होती है ।

29. प्रत्यक्ष निवेश तथा पोर्टफोलियों निवेश में अंतर बताइए।

उत्तर:

प्रत्यक्ष निवेश	पोर्टफोलियो निवेश
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) अन्तर्राष्ट्रीय निवेश से सम्बंधित है जिसमे निवेशक को दुसरे देश में किसी उद्यम में स्थायी हित प्राप्त होता है ।	पोर्टफोलियों निवेश (FII) विदेशी निवेशकों द्वारा एक देश में स्थित किसी उद्यम की वित्तीय परिसंपत्तियों में किया गए निवेश को संदर्भित करता है ।
यह निवेश व्यवसाय में सक्रिय होता है ।	यह निवेश व्यवसाय में निष्क्रिय रहता है ।
इस निवेश की प्रकृति दीर्घकाल की होती है ।	इस निवेश की प्रकृति अल्पकाल की होती है ।

30. अर्थव्यवस्था के प्राथमिक, द्वितीय तथा तृतीय क्षेत्रों के अर्थ बताएं?

उत्तर: **प्राथमिक क्षेत्र:** कृषि एवं प्रकृति से संबंधित उत्पादन क्षेत्र को प्राथमिक क्षेत्र कहते हैं। इसके अंतर्गत कृषि, खनन, पशुपालन, बागवानी आदि प्रकृति से संबंधित क्रियाएं की जाती है।

द्वितीयक क्षेत्र: प्राथमिक क्षेत्र के उत्पाद को। अन्य उपयोगी वस्तुओं में निर्माण करने के क्षेत्र को। द्वितीयक क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। इसे निर्माण क्षेत्र भी कहते हैं।

तृतीयक क्षेत्र: तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र की विशेष नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत परिवहन, दूरसंचार, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि शामिल होते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** The Video

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI

For PDF visit my website: www.theeconomicsguru.com